ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स पी.जी. कॉलेज

हिन्दी विभाग

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज की स्थापना वर्ष 1902 में महाकाली पाठशाला के नाम से की गई थी। इसे 'हरिमती बालिका विद्यालय' के नाम से मान्यता दी गई। कॉलेज का उद्देश्य बंगालियों को उनकी अपनी भाषा में शिक्षा प्रदान करना था। 1933 में इसे यू.पी. बोर्ड से हाई स्कूल और इंटरमीडिएट के लिए अस्थायी मान्यता प्राप्त हुई। इसी समय इसका नाम 'जुबली-गर्ल्स स्कूल' पड़ा। लड़कियों का संस्थान भाग्यशाली रहा है कि उसे एल.एम. जोपलिंग (सिटी मजिस्ट्रेट) और एम.एफ.ए. रिचर्डसन (स्कूलों के निरीक्षक) जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों का संरक्षण मिला है। 1944 में विद्यालय को हाई स्कूल की स्थायी मान्यता प्राप्त हुई। यह 1947 में एक इंटर कॉलेज और 1955 में एक डिग्री कॉलेज में बदल गया। जब से यह कॉलेज लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध हुआ है, तब से यह लड़कियों की शिक्षा में योगदान दे रहा है। यह प्रथम प्रिंसिपल, स्वर्गीय (मिस) बीना दत्ता की पहल के साथ था, कि कॉलेज एक प्राथमिक विद्यालय से शहर के एक प्रसिद्ध डिग्री कॉलेज में

बदल गया। उन्हें अपने सहकर्मियों के साथ-साथ अपने छात्राओं के प्रति अनुशासन प्रेम के लिए आज भी याद किया जाता है I

हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध ए.पी.सेन मेमोरियल गर्ल्स पी.जी.कॉलेज, लखनऊ के कला संकाय में स्नातक स्तर पर हिंदी साहित्य एवं भाषा का अध्ययन सन् 1955 ई.से प्रारंभ हुआ। महाविद्यालय में परस्नातक स्तर पर हिंदी को स्थायी मान्यता सन् 2007 को प्राप्त हुई ।

स्नातक स्तर पर हिंदी भाषा एवं साहित्य के संवर्धन के साथ-साथ जहां एक ओर हिंदी साहित्य का पाठ्यक्रम संचालित होता है, स्नातकोत्तर स्तर पर भी हिंदी साहित्य का पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है । इन पाठ्यक्रमों के द्वारा राष्ट्रीय एवं मानवीय मूल्यों की सहभागिता सुनिश्चित करने के सापेक्ष छात्राओं को तैयार किया जाता है।

हिंदी विभाग की पूर्व प्रवक्ताओं में डॉ.पदमा कपूर, डा.शैलबाला श्रीवास्तव, डॉ.निशा गहलोत, डॉ. सरोज मिश्रा एवं डॉ. रजनी अवस्थी ने अपने ज्ञान अनुभव एवं अथक परिश्रम से अनेक वर्षों तक विभाग की सेवा की और हिंदी विभाग को समृद्ध किया। सम्प्रति में हिंदी विभाग में कुल चार शिक्षिकाएं हैं।

हिंदी विभाग का परिचय

हिंदी विभाग कॉलेज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहाँ हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति के अध्ययन पर जोर दिया जाता है। हमारा उद्देश्य छात्राओं को हिंदी के प्रति जागरूक करना और उनकी भाषाई क्षमता को विकसित करना है।

थ्रस्ट एरिया

हमारे विभाग का मुख्य फोकस निम्नलिखित क्षेत्रों पर है:

1. **हिंदी साहित्य का अध्ययन:**
    - आधुनिक और प्राचीन साहित्यकारों के कार्यों का गहन अध्ययन।
    - साहित्यिक समिक्षाएँ और शोध पत्रों का आयोजन।
2. **भाषा विकास कार्यक्रम:**
    - हिंदी भाषा की व्याकरण, शब्दावली और संवाद कौशल पर कार्यशालाएँ।
    - विशेष पाठ्यक्रमों का आयोजन, जैसे हिंदी लेखन और अनुवाद।
3. **सांस्कृतिक गतिविधियाँ:**
    - हिंदी नाटक, कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।

- हिंदी दिवस समारोह में भागीदारी और आयोजन।

4. **शोध और प्रकाशन:**
    - शोध छात्राओं और विद्यार्थियों के लिए प्रोत्साहन।
    - हिंदी साहित्य और भाषा पर शोध पत्रों का प्रकाशन।
5. **समुदाय सेवा:**
    - हिंदी शिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में।
    - जन जागरूकता अभियान।

<u>प्रोफेसर माधुरी यादव के निर्देशन में शोधार्थी</u>

१ डॉ.शिप्रा सिंह चंद्रकांता की कहानियों में सामाजिक संवेदना**(17 .6 .2023 पूर्ण)**

२. डॉ निहारिका यादव-अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध का गद्य साहित्**(16. 7 .2023 पूर्ण)**

१. श्रद्धा यादव-मैत्री पुष्पा के कथा साहित्य में मूल्य बोधक विविध आयाम

२. संतोष कुमार यादव-हिंदी साहित्य और सिनेमा का अन्योन्याश्रित संबंध एक अध्ययन

३. सत्य प्रकाश नाग-हिंदी साहित्य में किन्नर विमर्श: संवेदना और शिल्प

४. नवनीत चौरसिया-केदारनाथ सिंह के काव्य में पर्यावरणीय चेतना

५. मनोकामना सिंह-उर्मिला विषयक काव्य का विश्लेषणात्मकअध्ययन

६. किरण देवी-दिनेश नंदिनी डालमिया के कथा साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन

७.शालिनी-स्वतंत्र्योत्तर हिंदी कविता में जनतंत्र का स्वरूप

८. अंशिका-कुंवर चंद्र प्रकाश के गीतों का सौंदर्य शास्त्रीय अनुशीलन

<u>प्रोफेसर ऊषा पाठक के निर्देशन में शोधार्थी-</u>

१.सुषमा-हिंदी की व्यवहारिक आलोचना और राहुल सांकृत्यायन की आलोचनात्मक दृष्टि

२. साक्षी-हिंदी उपन्यासों पर आधारित हिंदी फिल्मों का अनुशीलन

३. प्रदीप कुमार-हिंदी मराठी की दलित आत्मकथाएं: संवेदना और शिल्प

४. सीमा मौर्य-अवधी लोकगीत में अवध क्षेत्र की सांस्कृतिक चेतना: एक अध्ययन

५. राजन पांडे-निर्मल वर्मा के कथेतर साहित्य का अनुशीलन

६. काजल गुप्ता-स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गिनती नाट्य परंपरा: एक अध्ययन

७. रिचा प्रिया-21वीं सदी की महिला लेखिकाओं कृत संस्मरण साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन

<u>विभागीय समय सारिणी</u>

कक्षा	I	II	III	IV	V
बी.ए. 1st हिन्दी	डॉ.माधुरी यादव			**पुस्तकालय**	श्रीमती कंचन मिश्रा
बी.ए. 2nd हिन्दी		**डॉ.उषा पाठक रिमेडियल क्लास**	**डॉ.उषा पाठक**	श्रीमती कंचन मिश्रा	**पुस्तकालय**
बी.ए. 3rd हिन्दी	**डॉ.उषा पाठक**	डॉ.माधुरी यादव		**पुस्तकालय**	डॉ.माधुरी यादव **रिमेडियल क्लास**
एम.ए.1st हिन्दी	श्रीमती कंचन मिश्रा	डॉ. सुमन सिंह	डॉ. सुमन सिंह	**डॉ.उषा पाठक**	**पुस्तकालय**
एम.ए. 2nd हिन्दी	डॉ. सुमन सिंह	श्रीमती कंचन मिश्रा	डॉ.माधुरी यादव	डॉ. सुमन सिंह	**पुस्तकालय**

विभागीय गतिविधियाँ

1-मुंशी प्रेमचंद जयंती-मुंशी प्रेमचंद की जयंती हर वर्ष 31 जुलाई को मनाई जाती है। इस दिन भारतीय साहित्य के इस महान लेखक को श्रद्धांजलि देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।प्रेमचंद को हिंदी साहित्य का आधुनिक शिल्पकार माना जाता है।

2-मैथिलीशरण गुप्त जयंती-मैथिलीशरण गुप्त की जयंती हर वर्ष 3 अगस्त को मनाई जाती है। गुप्त जी को हिंदी साहित्य का महान कवि और लेखक माना जाता है, जिन्होंने भारतीय संस्कृति, परंपरा और राष्ट्रीयता को अपने लेखन में उजागर किया। गुप्त जी की रचनाएँ हिंदी साहित्य के लिए मील का पत्थर हैं।

3- तुलसी जयंती- तुलसी जयंती हर वर्ष **12 अगस्त** को मनाई जाती है। वे हिंदी साहित्य के महान कवियों में से एक माने जाते हैं, और उनकी रचनाएँ भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं।

तुलसीदास की सबसे प्रसिद्ध रचना "रामचरितमानस" है, जिसमें उन्होंने भगवान राम के जीवन और उनके आदर्शों को सजीवता से प्रस्तुत किया है। इसके अलावा, उन्होंने "Hanuman Chalisa," "Vinaya Patrika," और "Kavitavali" जैसी अन्य कई महत्वपूर्ण कृतियाँ भी लिखी हैं।

4- **भर्तेंदु हरिश्चंद्र जयंती-** 9 सितंबर को "भर्तेंदु हरिश्चंद्र जयंती" के रूप में मनाया जाता है। यह दिन हिंदी साहित्य के महान कवि और नाटककार भर्तेंदु हरिश्चंद्र की जयंती है, जो आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख स्तंभ माने जाते हैं। उनका योगदान हिंदी भाषा और साहित्य में अविस्मरणीय है, और इस दिन उनके विचारों और रचनाओं को याद करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

5- हिंदी सप्ताह -हिंदी सप्ताह का आयोजन हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए किया गया। इस दौरान विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं, ताकि छात्राओं में हिंदी के प्रति रुचि और प्रेम बढ़ सके। कविता पाठ, निबंध लेखन प्रतियोगिता, हिंदी गीतों और नाटकों का मंचन, विचार विमर्श सत्र , पोस्टर प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।

6- हिंदी दिवस -हिंदी दिवस हर साल 14 सितंबर को मनाया जाता है। यह दिन हिंदी भाषा के महत्व को बढ़ावा देने और उसकी समृद्धि को मान्यता देने के लिए विशेष रूप से मनाया जाता है। हिंदी दिवस का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करना और लोगों में इसके प्रति जागरूकता फैलाना है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हमारी मातृभाषा हमें एकजुट करती है और हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है।

7- विभागीय संगोष्ठी-विभागीय संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विषयों पर ज्ञान और अनुभव साझा करना है, ताकि सभी प्रतिभागियों को नए दृष्टिकोण प्राप्त हों। यह संगोष्ठी शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने का एक मंच प्रदान करती है, जहां विशेषज्ञ अपने कार्य और विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके अलावा, यह नेटवर्किंग के अवसर उत्पन्न करती है, जिससे विभिन्न विभागों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलता है। संगोष्ठी में समस्या समाधान पर भी ध्यान दिया जाता है, जिससे विभागीय चुनौतियों का सामना किया जा सके। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को नए कौशल और ज्ञान हासिल करने का अवसर मिलता है, और प्रेरणादायक विचारों के आदान-प्रदान से सभी को उत्साह मिलता

है। अंत में, यह संगोष्ठी पिछले कार्यों का मूल्यांकन करने और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करने का महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करती है।

हिंदी विभाग की छात्राओं का सरकारी नौकरियों में चयन

हाल ही में, हमारे हिंदी विभाग की 4 छात्राओं ने सरकारी नौकरियों में चयनित होकर एक नई उपलब्धि हासिल की है। यह सफलता विभाग के लिए गर्व का विषय है और हमारे छात्राओं की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

विभाग ने छात्राओं को परीक्षा की तैयारी में आवश्यक मार्गदर्शन और संसाधन प्रदान किए, जिससे उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने और विकसित करने में मदद मिली। छात्राओं ने नियमित अध्ययन, समूह चर्चा, और साक्षात्कार तैयारी सत्रों में भाग लेकर अपने लक्ष्यों को प्राप्त किया।

हमें गर्व है कि हमारे हिंदी विभाग की छात्राएं इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं, और हम उनके भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। हम आशा करते हैं कि वे आगे भी इसी तरह की उपलब्धियों को हासिल करेंगी और समाज की सेवा में अपनी भूमिका निभाएंगी।

व्याख्यान

हिंदी विभाग का उद्देश्य हिंदी भाषा और साहित्य के अध्ययन, विकास और प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना है। यह विभाग न केवल छात्राओं को हिंदी भाषा की गहराई में जाने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि उन्हें साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी समृद्ध करता है।

हमारा विभाग विभिन्न पाठ्यक्रमों की पेशकश करता है, जिसमें हिंदी साहित्य, भाषा विज्ञान, और अनुवाद अध्ययन शामिल हैं। विद्यार्थियों को न केवल कक्षाओं में, बल्कि विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और साहित्यिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलता है।

इसके अलावा, हिंदी विभाग में छात्राओं को अपने विचारों को व्यक्त करने, निबंध लेखन, कविता पाठ, और संवाद कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हम नियमित रूप से हिंदी दिवस, कविता संध्या, और लेखक वार्ता जैसे कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जो छात्राओं के लिए प्रेरणादायक होते हैं।

हिंदी विभाग का एक और महत्वपूर्ण कार्य है हिंदी भाषा के संवर्धन में योगदान देना। आज की वैश्विक दुनिया में, हिंदी एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है, जो न केवल भारत में, बल्कि विदेशों में भी उपयोग की जा रही है। हमारा विभाग इस भाषा को समृद्ध करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स कालेज
चारबाग, लखनऊ
हिन्दी विभाग

ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स कालेज
ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स कालेज

पारबाग, लखनऊ

ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स कालेज

ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स कालेज

ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स कालेज
बारबागा, लखनऊ
हिन्दी विभाग

मेमोरियल गर्ल्स कालेज
भाषण प्रतियोगिता

ए.पी. सेन
ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज
सरोजिनी नगर, लखनऊ